आचार्य महाआज्ञ का राजस्थानी भाषा दिवस पर महत्त्वपूर्ण संदेश

बीदासर 20 फरवरी 09

अणुव्रत अनुशास्ता युगआधान तेरापंथ धर्मसंघ के दशमाचार्य आचार्य महाआज्ञ ने राजस्थानी भाषा दिवस पर ओस विज्ञप्ति के माध्यम से सन्देश जारी करते हुए कहा कि –'संस्कृत और आाकृत ये दो आाचीन भाषाएं है हिन्दुस्तान की प्राचीन भाषाओं में उनका आभाव आलक्षित होता है यदि हिन्दी को आाकृत अपभ्रंश का उत्तराधिकार मिला है तो हम नहीं कह सकते कि मारवाड़ी या राजस्थानी को उसका उत्तराधिकार नहीं मिला है। सैकड़ो सैकड़ो शब्द आाकृत अपभ्रंश के राजस्थानी में समाए हुए है।

आत्येक भाषा का अपना वैभव और गौरव होता है। राजस्थानी भाषा का भी अपना वैभव और अपनी गरिमा है उसमें भाषायी सौष्ठव ओर मिठास है। उसका अपना विशाल वांड्गमय है। यह करोड़ो लोगो की मातृभाषा है। विदेशो में रहने वाले राजस्थानी युवक व विधार्थी भी हिन्दी की अपेक्षा मारवाड़ी को अधिक समझते हैं। इस भाषा की आतिष्ठा राजस्थान की जनता का चिरकालीन सपना रहा है। राजस्थानी भाषा दिवस पर उस स्पप्न को साकार करने का संकल्प किया जा रहा है। राजस्थान भाषा के प्रति अनुराग रखने वाला आत्येक व्यक्ति संकल्प में विश्वास रखता है।

बन्धन से मुक्त बनें

बीदासर 20 फरवरी 09 युवाचार्य महाश्रमण

दुनियां में आशंसित वीर कौन है ? इस आश्न के समाधान में आातःकालिन तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवसरण में आवचन के दौरान युवाचार्य महाश्रमण ने कहा – 'जो बन्धन से मुक्त है। वहीं आंशसित वीर है। जो कष्टआद बन्धन से विलग होता है वहीं सही अर्थ में आशंसित है आगम सूत्र का उच्चारण करते हुए युवाचार्य ने कहा – मन को बन्धन का कारण माना गया तो वह मुक्ति का भी कारण बन सकता है। विषयाशक्त व्यक्ति बन्धन की ओर बढ़ता है उससे विरत रहने वाला मुक्ति का आनंद आाप्त करता है।

आश्न्न चंन्द्र राजर्षि के घटना आसंग को उल्लेखित करते हुए आपने कहा – मन का द्वन्द व्यक्ति को नरक में ले जाता है मन जब निर्द्वन्द्व बन जाता है तब व्यक्ति मुक्ति का दर्शन करता है मन को व्यक्ति हिंसा, झूठ, विषयाशक्त से मुक्त रखने का आयास करें। व्यक्ति भोतिक आकांक्षाओं से दूर रहकर मन को स्वस्थ बनाने का लक्ष्य रखें ।

युवाचार्य ने विषय को गंभीरता आदान करते हुए कहा आसक्ति से दूर रह अनासक्ति की चेतना का जागरण करें। यह बन्धन मुक्ति का सशक्त माध्यम है पराविद्या के आयोग से व्यक्ति अनेक बुराइयों व कठिनाईयों से बच सकता है संतो का उपदेश भी बन्धन से मुक्ति की ओर बढनें की ओरणा देता है। महाश्रमण ने विषय को सामयकिता आदान करते हुए कहा जो बन्धन में रहें हुए हैं उन्हें मुक्त करने वाला आशंसित होता है। इसके लिए अनके आयोग है – जिसमें सकंल्प, ध्यान, योग, अनुओक्षा आदि बन्धन मुक्ति के सक्षम आयोग हैं इन आयोगों द्वारा बन्धन से मुक्ति पाएं।

साधु-साध्वियों का तेरापंथ भवन से विहार

बीदासर 20 फरवरी आज आातः श्रीमद् मघवा समवसरण में आचार्य महाआज्ञ का आर्शीवाद लेकर आगामी चातुर्मास के लिए मुनि कमल कुमार ने पंजाब की ओर गोविन्दगढ़, साध्वी चन्दनबाला हरियाणा-सिरसा, साध्वी कुथुश्रीजी हरियाणा-तोषाम, साध्वी जयआभाजी हरियाणा-हिसार, साध्वी मान कुमारी जी राजस्थान नौहर, साध्वी कंचन कुमारी हरियाणा-हांसी की ओर विहार किया।

नशा मुक्ति महारैली आज

बीदासर 20 फरवरी 09 स्थानीय कस्बा में 21 फरवरी शनिवार को दोपहर अणुव्रत समिति बीदासर के तत्वाधान में नशा मुक्ति महारैली का अयोजन होगा।

बीदासर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष चौथमल बौथरा ने बताया कि आज शनिवार दोपहर एक बजे कस्बे के समस्त सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से नशा मुक्ति की महारैली सेठ दुलिचंद सेठिया राजकीय सीनियर मा. विद्यालय आांगण से आांरभ करके कस्बे के मुख्य मार्ग से गुजरते हुए तेरापंथ भवन स्थित श्रीमद् मघवा समवसरण में पहुचेगें

आचार्य महाआज्ञ व युवाचार्य महाश्रमण द्वारा उपस्थित छात्र-छा़त्राओं व श्रद्धालुओं को अणुव्रत(नशा मुक्ति) सम्बन्धित उद्बोधन देंगें इस रैली में स्थानीय अणुव्रत समिति के सदस्य व कस्बे के नागरिक गण भाग लेगें

श्रेष्ठ व्यक्तित्व के लिए जरूरी है जीवन विज्ञान

बीदासर 20 फरवरी मुनि किशनलाल

शिक्षा व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का आधार है वर्तमान की शिक्षा पद्दति आजीविका के विकास पर अधिक ध्यान दे रही है। उससे भी जरूरी है जीवन की शिक्षा जिससे बालक का शारिरिक स्वास्थ्य मानसिक विकास और भावानात्मक परिवर्तन होता है। आचार्य श्री महाआज्ञ जी ने जीवन विज्ञान को शिक्षा के साथ जोड़कर राष्ट्र नई दृष्टि आदान की है। राष्ट्र के 16 आान्तो में जीवन विज्ञान उपक्रम संचालित हो रहा है जिसका सकारात्मक परिणाम आहार है।

ओक्षा आाध्यापक मुनि श्री किशनलाल ने श्री बालवाड़ी के छात्रों एवं अध्यापकों को संबोधित करते हुए बताया जीवन विज्ञान श्रेष्ठ व्यक्तित्व के निर्माण के लिए आवश्यक है। आार्थना सभा में जीवन विज्ञान के आयोग करवाये जाते है अबसे विधार्थियों, अध्यापकों एवं व्यवस्थापकों ने निश्चय किया है। बालकों को कक्षा में भी जीवन विज्ञान के आयोग सिखाए जाएगें।

मुनि श्री ने सही मुद्रा, श्वास, सोच और सही नींद के आयोग के अतिरिक्त स्मृति विकास आयोग करवाकर सबको एहसास करया कि जीवन विज्ञान से विधार्थी अपनी कक्षा में अव्वल आ सकता है।

मुनि पियुश कुमार जी ने संकल्प के आयोग कटाया श्री गिरिजा शंकर दुबे को नियमित कक्षा में आयोग करवाने के लिए मंत्री श्री अभयकुमार बैंगानी ने सहमंत्री आदान की। ?

जैन विश्व भारती जीवन विज्ञान अकादमी द्वारा स्कूलों के लिए बनाये गये फेडरेशन के लिए भी अपनी सहमति आदान की।

अणुव्रत संकल्पो को मजबूत बनाने का आन्दोलन है

20 फरवरी 09 बीदासर मुनि सुखलाल

मनुष्य का जीवन बहुत ही किमती चीज है उसकी वास्तविक क्रियाओं को समझना बहुत ही जरूरी है जीवन में अच्छे मूल्यों को स्थापित करने के लिए सद्शिक्षा का होना भी आवश्यक है और शिक्षा का अर्थ है सद्गुणों का विकास

उक्त विचार अणुव्रत आाध्यापक मुनि सुखलाल ने शुक्रवार को श्री जेठमल जीवराज सेखानी आदर्श विधा मन्दिर मा. विधालय में आवचन करते हुए व्यक्त किया उन्होंने कहा - आदमी के रास्ते में कांटे तो बिखरे हुए ही रहते हैं। शिक्षा उन कांटो को साफ करने की विधि बताती है यदि आदमी अपने संकल्प को मजबूत व सुदृढ बनादें तो वह कठिन से कठिनतम काम को पूरा कर सकता है। अणुव्रत आदमी के संकल्पो को मजबूत बनाने का आन्दोलन है। मुनि श्री ने कहा कि आज देश में ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो जीवन को आदर्शमय बना सकें आज देश में ऐसे बहुत सारे विधालय भी चल रहें है जहां पर विधार्थियों को केवल पुस्तकीय शिक्षा आदान कि जाती है परन्तु आदर्श विधा मन्दिर जैसे विधालयों में जीवन को उन्नत बनाने कि शिक्षा दी जाती है। जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आचार्य महाआज्ञ जीवन को उन्नत बनाने की शिक्षा के उद्देश्य को लेकर देश का परिभ्रमण कर रहें हैं। इसी कड़ी में अणुव्रत समिति बीदासर द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुनि पियुश ने विधार्थियों को मह्मपाण ध्वनि का आशिक्षण देते हुए निरतंर अभ्यास में उतारने का संकल्प दिलाया कार्यक्रम में अणुव्रत समिति के अध्यक्ष चौथमल बोथरा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संध के तहसील संध चालक जर्नादन तिवारी आविम के संरक्षक घेवर चंद सेखानी, आचार्य महाआज्ञ मर्यादा महोत्सव समिति के सह अध्यक्ष हनुमान मल सेखानी, फतेहचंद जालान, तोलाराम सेखानी, सागरमल बैद, मालीराम सेखानी एवं महावीर बैद सहित कस्बे के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विधालय के विधार्थियो द्वारा आस्तुत आार्थना कार्यक्रम को देखकर मुनिवर अभिभूत हुए।